an>

Title: Need to connect Buddha circuit by air services in the country.

श्री दहन मिश्रा **(श्रावस्ती) :** महोदय, विश्व प्रसिद्ध भगवान बुद्ध की तीर्थस्थली श्रावस्ती को हवाई सेवा से जोड़ने के लिए शुरू किया गया प्रयास, जो अब अवरूद्ध हो गया है, उसे पुनः हवाई सेवा से जोड़ने के लिए अपनी मांग रखने के लिए गरिमामयी सदन में अवसर प्रदान किया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। भगवान बुद्ध के जीवन से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थलों में महत्वपूर्ण तीर्थस्थल श्रावस्ती है। सभी तीर्थस्थलों को जोड़ने के लिए बौद्ध परिपथ हवाई सेवा की घोषणा 10 अक्टूबर, 1997 को तत्कालीन राज्यपाल एवं तत्कालीन केन्द्रीय पर्यटन मंत्री की मौजूदगी में लखनऊ के अमौसी हवाई अड्डे में की गई थी। बौद्ध परिपथ में विदेशी पर्यटकों द्वारा सारनाथ, वाराणसी के अतिरिक्त किसी भी स्थान पर हवाई यात्रा के माध्यम से पहुंचना संभव नहीं था, लेकिन कुशीनगर एवं श्रावस्ती में हवाई पट्टी बन जाने के फलस्वरूप बौद्ध परिपथ पर्यटन के क्षेत्र में एक नए अध्याय के रूप में सामने आया था।